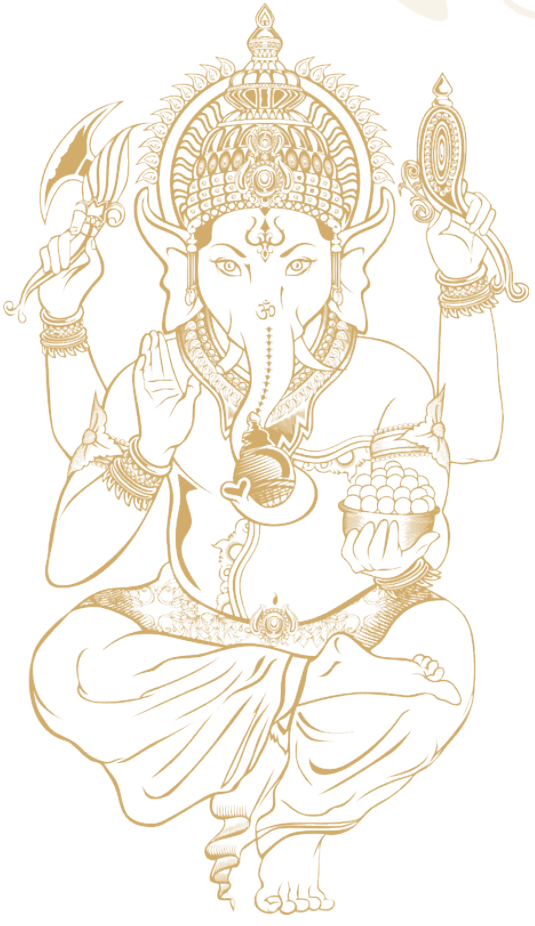

Shyam bihari

14 Aug 1992

11:00 AM

Tonk

Model: web-freekundliweb

Order No: 121073402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/08/1992**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**11:00:00 घंटे**
इष्ट	12:33:15 घटी
स्थान	**Tonk**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:10:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:33:20 घंटे
वेलान्तर	-00:04:38 घंटे
साम्पातिक काल	08:04:53 घंटे
सूर्योदय	05:58:41 घंटे
सूर्यास्त	19:03:24 घंटे
दिनमान	13:04:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	27:55:01 कर्क
लग्न के अंश	04:07:11 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शोभन
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गे-गेंदा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	04:07:11	318:28:24	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	27:55:01	00:57:37	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	06:33:46	11:51:52	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
मंगल			वृष	18:29:42	00:38:47	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	सम राशि
बुध			कर्क	12:16:52	00:07:52	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	शत्रु राशि
गुरु			सिंह	24:00:42	00:12:15	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	14:48:08	01:13:46	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		मक	20:52:10	00:04:26	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		धनु	05:42:01	00:09:51	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	05:42:01	00:09:51	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	20:54:23	00:01:46	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
नेप	व		धनु	22:55:22	00:01:15	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो			तुला	26:26:52	00:00:29	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
दशम भाव			कर्क	05:19:28	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:33

लग्न-चलित

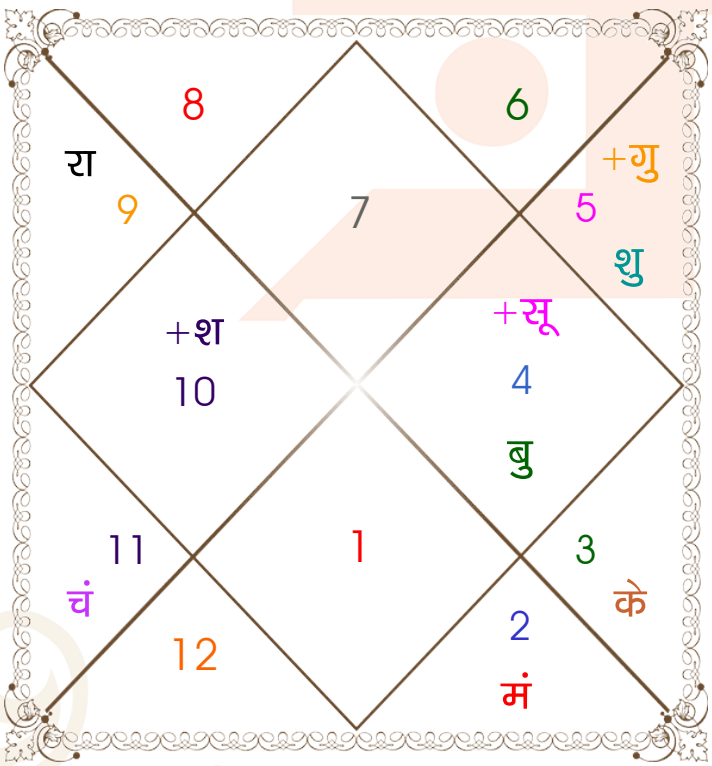

चन्द्र कुंडली

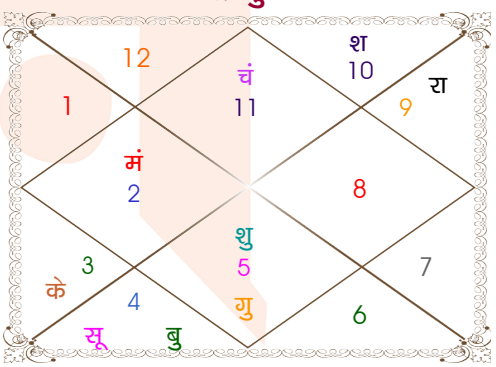

नवमांश कुंडली

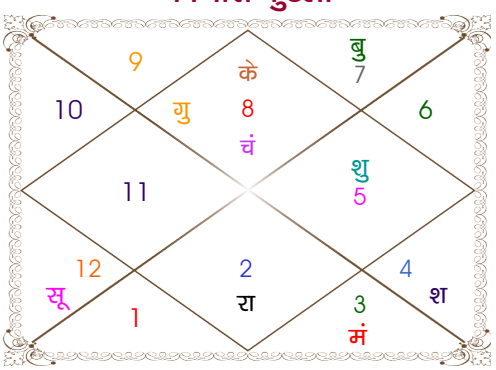

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 0 मास 19 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
14/08/1992		03/09/1992		03/09/2010		03/09/2026		03/09/2045	
03/09/1992		03/09/2010		03/09/2026		03/09/2045		03/09/2062	
	00/00/0000	राहु	17/05/1995	गुरु	22/10/2012	शनि	06/09/2029	बुध	31/01/2048
	00/00/0000	गुरु	10/10/1997	शनि	05/05/2015	बुध	16/05/2032	केतु	27/01/2049
	00/00/0000	शनि	16/08/2000	बुध	10/08/2017	केतु	25/06/2033	शुक्र	28/11/2051
	00/00/0000	बुध	05/03/2003	केतु	17/07/2018	शुक्र	25/08/2036	सूर्य	03/10/2052
	00/00/0000	केतु	23/03/2004	शुक्र	17/03/2021	सूर्य	07/08/2037	चंद्र	05/03/2054
	00/00/0000	शुक्र	23/03/2007	सूर्य	03/01/2022	चंद्र	08/03/2039	मंगल	02/03/2055
	00/00/0000	सूर्य	15/02/2008	चंद्र	05/05/2023	मंगल	16/04/2040	राहु	18/09/2057
	14/08/1992	चंद्र	16/08/2009	मंगल	10/04/2024	राहु	21/02/2043	गुरु	25/12/2059
चंद्र	03/09/1992	मंगल	03/09/2010	राहु	03/09/2026	गुरु	03/09/2045	शनि	03/09/2062

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/09/2062		03/09/2069		03/09/2089		04/09/2095		04/09/2105	
03/09/2069		03/09/2089		04/09/2095		04/09/2105		15/08/2112	
केतु	31/01/2063	शुक्र	03/01/2073	सूर्य	22/12/2089	चंद्र	04/07/2096	मंगल	31/01/2106
शुक्र	01/04/2064	सूर्य	03/01/2074	चंद्र	22/06/2090	मंगल	02/02/2097	राहु	19/02/2107
सूर्य	07/08/2064	चंद्र	04/09/2075	मंगल	28/10/2090	राहु	04/08/2098	गुरु	26/01/2108
चंद्र	08/03/2065	मंगल	03/11/2076	राहु	22/09/2091	गुरु	04/12/2099	शनि	06/03/2109
मंगल	04/08/2065	राहु	04/11/2079	गुरु	10/07/2092	शनि	05/07/2101	बुध	03/03/2110
राहु	22/08/2066	गुरु	05/07/2082	शनि	22/06/2093	बुध	05/12/2102	केतु	30/07/2110
गुरु	29/07/2067	शनि	03/09/2085	बुध	29/04/2094	केतु	06/07/2103	शुक्र	29/09/2111
शनि	06/09/2068	बुध	04/07/2088	केतु	03/09/2094	शुक्र	06/03/2105	सूर्य	04/02/2112
बुध	03/09/2069	केतु	03/09/2089	शुक्र	04/09/2095	सूर्य	04/09/2105	चंद्र	15/08/2112

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 0 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।